प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिषन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी,
जनपद जालौन।

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2022–23/ 8470 दिनांकः09.02.2023

विषयः– राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 17–20 जनवरी 2023 के मध्य किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया एस0पी0एम0यू0 कार्यालय पत्र सं0 SPMU/NHM/M&E/2022-23/04/6716, दिनांक 13-12-2022 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके क्रम में, राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक **17–20 जनवरी 2023** तक जनपद **जालौन** की ब्लाक स्तरीय चिकित्सा इकाईयों, हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, ग्राम स्वा0 एवं पोषण दिवस तथा नगरीय प्राथमिक चिकित्सालय का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया।

राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद की चिकित्सा इकाईयों का स्थलीय पर्यवक्षण के दौरान प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी है जो कि पत्र के साथ संलग्न कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

आपसे अनुरोध है कि सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नकः पर्यवेक्षण आख्या।

भवदीया

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक
तद्दिनांक

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2022–23

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित–

1. जिलाधिकारी/अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद जालौन।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चि0स्वा0 एवं प0क0, झांसी मण्डल।
3. अधिशासी अभियन्ता, समस्त महाप्रबन्धक/अनुभागाध्यक्ष, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उ0प्र0।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, झांसी मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, जालौन को पर्यवेक्षण रिपोर्ट के सापेक्ष आवश्यक कार्यवाही एवं आख्या हेतु प्रेषित।

(डा0 ए0के0 अग्रवाल)
उप महाप्रबन्धक
आर.के.एस.के./जनपदीय
नोडल अधिकारी

जनपद स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण

जनपदःजालौन **दिनांक :17–20 जनवरी 2023**

मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,उ0प्र0 के पत्र दिनांकित 13.12.2022 में प्रदत्त निर्देशों के अनुपालन में 02 सदस्यीय राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद जालौन का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण हेतु दिनांक 17–20 जनवरी 2023 के मध्य भ्रमण किया गया। जनपद में सहयोगात्मक पर्यवेक्षण हेतु जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, सम्बन्धित ब्लाक के प्रभारी चिकित्साधिकारी, ब्लाक कम्यूनिटी प्रोसस मैनेजर द्वारा अपेक्षित सहयोग प्रदान किया गया। भ्रमण की संक्षिप्त आख्या निम्नवत् हैः–

चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
प्रथम दिवस–17 जनवरी 23			
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ब्लॉक कदौरा	दल द्वारा भ्रमण के दौरान अवलोकित किए गए बिन्दु इस प्रकार से रहेः – • दल को संज्ञानित हुआ कि यह चिकित्सा इकाई कायाकल्प के अंतर्गत आती है। • केन्द्र के परिसर मे काफी जगह थी, जिसका काफी सहज प्रकार से उपयोग किया गया था। • परिसर में जो भी दीवार लेखन किया गया था उसमें परिवार नियोजन व मातृत्व स्वास्थ्य से सम्बन्धित जानकारी कम अंकित पाई गई। • प्रभारी चिकित्साधिकारी के कक्ष में चिकित्सालय द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं व उपलब्धियों से जुड़ी जानकारी प्रदर्शित नहीं थी, कक्ष में कार्य प्रबन्धन से सम्बन्धित जानकारियां उपलब्ध कराई गई थी, किन्तु कार्यक्रम से सम्बन्धित संदेश प्रदर्शित नहीं थे। • परिवार नियोजन से सम्बन्धित कुछ योजनाओं–एफ0पी0आई0एस0 , पी0सी0पी0एन0डी0टी0 आदि जनमानस हित से जुड़े कार्यक्रम की सूचना प्रदर्शित नहीं थी। • चिकित्सालय मे उपस्थित समस्त स्टाफ/चिकित्सक अपने निर्धारित ड्रेस कोड में नही मिले। • ओ0पी0डी0 कक्ष व चिकित्सालय में साफ सफाई देखने को मिला। • दल को चिकित्सालय परिसर में कंडोम बाक्स दिखा	• प्रभारी चिकित्साधिकारी को परिसर का समुचित उपयोग करते हुए अधिक से अधिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों से सम्बन्धित सूचनाओं/संदेशों को दीवार लेखन के द्वारा जनमानस के मध्य प्रचलित करने का सुझाव दिया गया। • जनमानस हित से जुडें कार्यक्रम की सूचनाएं दीवार लेखन के माध्यम से प्रदर्शित किये जाने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा शीघ्र ओ0पी0डी परिसर में नया कंडोम बाक्स लगाये जाने का सुझाव दिया गया, जिससे जनमानस को उसका समुचित लाभ मिल सके। राज्य स्तरीय दल द्वारा एक्सरे टेक्निश्यिन को पी0पी0ई0 का महत्व समझाते हुए इसका सदैव प्रयोग किये जाने का सुझाव दिया गया। दल द्वारा कक्ष में प्रतिदिन कम से कम 02 बार व्यापक सफाई कराने एवं उसकी निगरानी किये जाने का सुझाव दिया गया। टेक्निश्यिन को पी0पी0ई0 का महत्व समझाते हुए इसका सदैव प्रयोग किये जाने का सुझाव दिया गया। स्टाफ नर्स को समस्त रिकार्ड दल द्वारा आपत्ति जताते हुए समस्त रिकार्ड 01 माह में ठीक किये जाने का निर्देशित किया गया। • उपस्थित स्टाफ नर्स को प्रसव रजिस्टर की महत्ता समझाते हुए वाछित समस्त सुचनाओं को विधिवत् एवं समय से भरने हेतु अपडेट रखने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा कार्यरत समस्त स्टाफ नर्सो से कार्य दायित्वों के प्रति लापरवाही न बरत कर सही प्रकार से कार्य करने की चेतावनी दी गई तथा समस्त रिकार्ड यथाशीघ्र सही करने हेतु सुझाव दिया गया। • रेफरल रजिस्टर में समस्त आवश्यक सूचनाओं को अंकित करने हेतु स्टाफ नर्स को सुझाव दिया गया। • उक्त के सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी	नर्स मेंटर/ स्टाफ नर्स/ प्रभारी चिकित्साधिकारी एक्सरे टेक्निश्यिन/प्रभारी चिकित्साधिकारी

चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
	प्रथम दिवस–17 जनवरी 23		
	जो कि पूर्णतया भरा हुआ नहीं मिला तथा जिस जगह पर लगा था, वहां पर जनमानस की आवाजाही कम दिखी। **<u>एक्स रे कक्ष –</u>** • एक्स रे कक्ष में पर्याप्त रोश्नी दिखी परन्तु वेनटिलेश्न का समुचित प्रबन्धन दल को नही दिखा। • एक्सरे टेक्निश्यिन ने पी0पी0ई0 का प्रयोग नहीं किया था। • एक्स रे मशीन ठीक प्रकार से कार्य कर रही थी। • कक्ष में अल्ट्रासाउण्ड टेक्निश्यिन के नियुक्त न होने के कारण वहां पर अल्ट्रासाउण्ड नहीं हो पा रहा था जिस कारण महिलाओं को बाहर प्राईवेट में जाना पड़ रह है। **<u>प्रसव रिकार्ड कक्ष –</u>** • रिकार्ड कक्ष की स्थिति अव्यवस्थित पाई गई। • 07 स्टाफ नर्स (03 नियमित+04 संविदा) तथा 01 नर्स मेंटर इस कक्ष में कार्यरत है, परन्तु किसी के द्वारा रिकार्ड सहजने का प्रयास नहीं किया जा रहा है। • दल को ज्ञात हुआ कि आपसी सामंजस्य के अभाव में एक दूसरे पर जिम्मेदारी डाली जाती है। जिसको कोई देखने वाला नही है। • प्रसव रजिस्टर पर सूचनाए विधिवत अंकित नहीं थी। प्रसव उपरांत रजिस्टर में कई जगह पर अधिक वजन के नवजातों का ब्योरा दर्ज थां अधिक वजन के इन नवजातों का जन्म उपरांत क्या किया गया अथवा क्या किया जाता है, नर्स मेंटर के पास तो जानकारी नहीं थी किन्तु उनके साथ ही स्टाफ नर्स को जानकारी थी। • एम0सी0टी0एस. संख्या विधिवत दर्ज नही थी। रजिस्टर के अंत में दिए गए	महोदय को अवगत कराते हुए यथोचित कार्यवाही हेतु अनुरोध किया गया है। • परिसर में बने शौचालय की सफाई कराते हुए उसका महिला के उपयोगित किए जाने हेतु चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया। • दल द्वारा जे0एस0एस0के0 डाईट का चार्ट परिसर मे लगाने का सुझाव दिया जिससे जनमानस के मध्य पारदर्शिता बनी रहें • दल द्वारा आपत्ति जताते हुए कक्ष मे मौजुद महिला को समझाते हुए वहां से हटाया गया तथा वार्ड आया को बुलाकर अगली बार ऐसा न हो इसके लिए वहीं पर बैठने हेतु निर्देश्ति किया गया। • कक्ष मे मातृत्व स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु व्यापक आई0ई0सी0 किये जाने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा प्रत्येक प्रसव बाद कक्ष की साफ सफाई हेतु सुझाव दिया गया जिससे कक्ष मानकानुसार संक्रमण रहित व प्रसव हेतु सुरक्षित रह सके।	स्टाफ नर्स/प्रभारी चिकित्साधिकारी स्टाफ नर्स/प्रभारी चिकित्साधिकारी

चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
		प्रथम दिवस–17 जनवरी 23	
	मासिक सारांश प्रपत्र भलीभांति भरा नहीं जा रहा है। • उपस्थित स्टाफ नर्स मेंटर को अपने कार्य के प्रति स्पष्ट जानकारी नही दिखी एवं न इसको लेकर कोई चिन्ता। • रेफरल सिस्टम व्यवस्थित रूप से नहीं पाया गया। • पार्टोग्राफ भी व्यवस्थित रूप से नहीं भरा पाया गया, न ही उसको ठीक प्रकार से रखा जा रहा था। • अन्तरा गर्भ निरोधक, पी0पी0आई0यू0सी0डी, रजिस्टर रिकार्ड व्यवस्थित रूप से नहीं भरा गया था, बल्कि रिकार्ड आधे अधूरे पाए गए। कुछ फालोअप रिकार्ड पर सम्बन्धित व्यक्ति एवं आश के हस्ताक्षर भी नहीं पाए गए । प्रथम डोज के उपरांत दूसरी डोज के लिए लाभार्थी दुबारा क्यो नहीं आए एवं उनका क्या हुआ इसका कोई संतोषजनक जवाब स्टाफ नर्स के पास नहीं था।	• दल द्वारा कक्ष की महत्ता एवं महिला व नवजातों के स्वास्थ्य का हवाला देते हुए पर्याप्त साफ सफाई का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा कक्ष की महत्ता एवं नवजातों के स्वास्थ्य का हवाला देते हुए पर्याप्त साफ सफाई का सुझाव दिया गया। • कक्ष मे बायो वेस्ट मैनेजमेंट का अनुपालन कर कलर कोडेड डस्टबिन रखने व उपयोगित किए जाने का सुझाव दिया गया। दल द्वारा ए0ई0एफ0आई0 के बारे में अभिमुखीकृत किया गया। दल द्वारा कक्ष की महत्ता के दृष्टिगत, तत्काल लाईट की व्यवस्था कर उसको बदलने का सुझाव दिया गया।	
	• जन्म लेने वाले नवजातो को विटामिन के दिया जा रहा था, किन्तु नवजातों को यह क्यों दिया जाता है, इसका स्पस्ट प्रतिउत्तर प्राप्त नहीं हुआ। • प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना रजिस्टर मांगने पर स्टाफ नर्स द्वार सादे रजिस्टर में ही सूचनांए अंकित की जा रही है, जो कि स्पष्ट प्रतीत नहीं हुई। **<u>प्रसव कक्ष</u>** • कक्ष में डिजीटल घड़ी लगी पाई गई जो कि कार्य कर रही थी। • कक्ष में लगी 01 डिजीटल लाईट खराब पड़ी थी, पूछने पर कोई स्पष्ट उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। • दो प्रसव टेबल के मध्य पार्टीश्न था।	दल द्वारा स्टाफ नर्स को कैलिस पैड का महत्व बताते हुए उसको इंडेण्ट कर बदलने का तथा कक्ष के बाहर नवीन आई0ई0सी0 प्राप्त कर उसको लगाने का सुझाव दिया गया। दल द्वारा चिन्ता व्यक्त करते हुए नियमित रूप से साफ सफाई व बेड शीट बदलने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / फार्मासिस्ट / बी0सी0पी0एम0

चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
	प्रथम दिवस–17 जनवरी 23		
	• कैलिस पैड पिचका हुआ पाया गया। • कक्ष में एवं कक्ष के बाहर पर्याप्त आई0ई0सी0 नहीं दिखी। परिवार नियोजन साधन से सम्बन्धित जानकारी का अभाव दिखा। • **<u>जे0एस0वाई वार्ड</u>** ➢ जे0एस0वाई वार्ड में महिला भर्ती थी । ➢ वार्ड में मातृत्व स्वास्थ्य से सम्बधित संदेश पोस्टर खराब स्थिति मे और पुराने प्रतीत हेा रहे थे। पूछने पर उचित उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। ➢ कक्ष में साफ सफाई, बेड शीट उचित नहीं पाई गई। बेड शीट पुरानी व धब्बे लगे मिले। ➢ कक्ष में मातृत्व स्वास्थ्य से सम्बन्धित आई0ई0सी0 के प्रचार हेतु लगा टी0वी0 बंद हालत में पाया गया तथा उसका कनेक्शन भी नहीं दिखा। ➢ परिसर में जे0एस0एस0के0 डाईट को लेकर सूचना प्रदर्शन बोर्ड दिखा।	पारदर्शिता के दृष्टिकोण से जे0एस0एस0के0 डाईट चार्ट सूचना बोर्ड पर लगाने का सुझाव दिया गया।	
	<u>नियमित टीकाकरण</u> :– चिकित्सा इकाई पर टीकाकरण के पश्चात होने वाली प्रतिकूल घटना (ए0ई0एफ0आई0) की रिपोर्टिंग हेतु ब्लाक ए0ई0एफ0आई0 रजिस्टर की उपलब्धता नही पायी गयी।	ब्लाक ए0ई0एफ0आई0 रजिस्टर की उपलब्धता शीघ्र ही सुनिश्चित करायी जाए ताकि सभी प्रकार के ए0ई0एफ0आई0 मामलों की रिपोर्टिंग करी जाए जो समुदाय में वैक्सीन पर विश्वास को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / डी0आई0ओ0
	मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय **(डा0 एन0डी0 शर्मा) व डी0पी0एम0यू0 के साथ बैठक– 20 जनवरी 23**		
	राज्य स्तरीय दल द्वारा सांय काल मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय, तथा जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई के सदस्यो के साथ बैठक की गई तथा अपने जनपद भ्रमण के उद्देश्यो से अवगत कराया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय, द्वारा अवगत कराया गया कि राज्य स्तरीय दल के साथ आगामी 03 दिन भ्रमण हेतु डी0पी0एम0 एवं सम्बन्धित अधिकारियों को भी जोड़ा गया है जो कि भ्रमण में अपेक्षित सहयोग प्रदान करेंगे। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ब्लॉक कदौरा के भ्रमण तथा पाई गई कमियों से अवगत कराया गया जिस पर मुख्य चिकित्सधिकारी महोदय द्वारा राज्य स्तर से रिपोर्ट प्राप्ति होने के सापेक्ष आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। साथ ही बताया कि इकाई हेतु सोनोलॉजिस्ट की व्यवस्था की जा रही है जिसके उपरांत अल्ट्रासाउण्ड सेन्टर वहां पर शुरू कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि भ्रमण दल से अपेक्षा है कि अंतिम दिन, पाई गई कमियों से अवगत कराया जाये जिससे अपेक्षित सुधार किया जा सके। राज्य स्तरीय दल द्वारा यह आश्वासन दिया गया कि भ्रमण उपरांत अपने फीडबैक से अवगत कराया जायेगा।		

द्वितीय दिवस–18 जनवरी 23			
चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर

हेल्थ **एंड** वेलनेस सेंटर, **कुकरगांव**	• हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर ग्राम कुकरगांव के सबसेन्टर पर स्थित है। • सेन्टर प्रभारी मोहिनी गुप्ता अपने निर्धारित ड्रेस कोड में थी। उनको इस सेन्टर पर 01 वर्ष हो गया है। • सेन्टर पर समस्त अपेक्षित सेवाएं प्रदान की जा रही थी। जिनका रिकार्ड व्यवस्थित रूप से पाया गया। • सेन्टर पर 01 ए0एन0एम0 भी तैनात थी। • सेन्टर पर सामान्य प्रसव सेवाएं प्रदान की जा रही थी एवं औसतन 4–5 प्रसव प्रतिमाह हो रहे है। • सेन्टर पर पावर बैक अप की सुविधा नहीं थी तथा विगत 3 दिनों से वहां बिजली भी नहीं थी। • प्रसव हेतु परीक्षण टेबल, बेड कैलिसपैड फुटमैट की आवश्यकता है जो कि नहीं थे। • रिकार्ड का रख रखाव ठीक प्रकार से हो रहा है। • परिवार नियोजन सेवांएं हेतु बास्केट आफ चाइस प्रदर्शित नही की गई थी। • सेन्टर पर कण्डोम बाक्स लगा पाया नहीं पाया गया। • समस्त अस्थाई गर्भनिरोधको का रजिस्टर अव्यवस्थित रूप से पाया गया तथा उसमें सूचनाएं विधिवत अंकित नही पाई गई। • अन्तरा की प्रथम डोज सी0 एच0ओ0 द्वारा प्रदान की जा रही थी। उनको किसने कहा कि वह प्रथम डोज देंगे, इसका कोई स्पष्ट उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। • परिसर में बाहर की ओर योग एवं प्रतिक्षालय भी बनाया गया है। • ए0एन0एम0 द्वारा टीकाकरण के मानको का पालन नही किया जा रहा था।	• राज्य स्तरीय दल द्वारा सेन्टर की व्यवस्था हेतु सेन्टर प्रभारी का और अधिक प्रयास करने को कहा गया जिससे उपलब्ध समस्त सुविधाएं जनमानस तक पहुंच सके। दल द्वारा इसी प्रकार रिकार्ड व्यवस्था सुचारू रूप से बनाए रखने का सुझाव दिया गयां। राज्य स्तरीय दल द्वारा प्रसव की सुविधा के दृष्टिगत, साथ में उपस्थित डी0सी0पी0एम0 को सेन्टर पर प्रसव रजिस्टर शीघ्र उपलब्ध कराने हेतु कहा गया। दल द्वारा कंडोम बाक्स का महत्व बताते हुए उसे सेन्टर पर लगाने का सुझाव दिया गया। दल द्वारा जनपद से नवीन मातृ स्वास्थ्य व परिवार नियोजन की आई0ई0सी0 प्राप्त कर सेन्टर पर प्रदर्शित करने का सुझाव दिया गया। राज्य स्तरीय दल द्वारा उपस्थित सेन्टर प्रभारी को यह सुझाव दिया गया कि जो भी महिलांए अन्तरा की प्रथम डोज हेतु आ रही है, उनका नियमित फालोअप आश द्वारा किया जाये जिससे अगली डोज के लिए उनको आ रही दिक्कतों को दूर करते हुए मोबिलाइज किया जा सके। साथ ही यह चेतावनी दी गई कि दिश निर्देशनुसार उनको किसी दश में अन्तरा की प्रथम डोज नहीं देनी है, प्रथम डोज सिर्फ चिकित्सा इकाई मे मेडिकल आफिसर द्वारा लाभार्थी के परीक्षणोंपरांत दी जानी है। राज्य स्तरीय दल द्वारा साथ में भ्रमण में आए डी0पी0एम0 को यह सुझाव दिया गया कि इस सम्बन्ध में एक पत्र जनपद के समस्त सी0एच0ओ0 को जारी किया	डी0सी0पी0एम0 / प्रभारी चिकित्साधिकारी आश / ए0एन0एम0 / सेन्टर प्रभारी

	• वैक्सीनेशन के पश्चात लाभार्थियों को चार संदेश नही दिए जा रहे थे। • ए0एन0एम0 एवं आशा को ई–कवच एप्लिकेशन के उपयोग हेतु पर्याप्त जानकारी नहीं पायी गयी। • ए0एन0एम0 एवं आशा द्वारा ई–कवच एप्लिकेशन का उपयोग नहीं किया जा रहा था। • आशा के पास उपलब्ध आशा डायरी अपडेटेड नहीं थी। • सेन्टर पर पर्याप्त आई0ई0सी0 भी उपलब्ध नहीं थी।	जाये जिससे भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो। दल द्वारा ए0एन0एम0 द्वारा टीकाकरण के मानको का पालन एवं वैक्सीनेशन के पश्चात लाभार्थियों को चार संदेशदिए जाने का सुझाव दिया गया।	

द्वितीय दिवस–18 जनवरी 23

चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
ग्राम **स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस, कुकरगांव**	सत्र सम्बन्धी बैनर स्थल पर नहीं था, बल्कि टीकाकरण के बैनर लगे पाए गए। सत्र में उपस्थित ए0एन0एम0 के पास बैनर उपलब्ध भी नहीं था।	राज्य स्तरीय दल द्वारा डी0पी0एम0 को इस बारे में अवगत कराते हुए सत्र सम्बन्धी बैनर उपलब्ध कराने हेतु सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / डी0पी0एम0
	दवाईया अव्यवस्थित रूप से रखी हुई पाई गई, किस दवाई को देने के बाद कैसे रखना है, उसका पालन होता नहीं दिखा।	दवाईयां व्यवस्थित ढंग से रखवाई गई तथा ए0एन0एम0 को दवाईयों उनकी एक्सपायरी तिथि के अनुसार उपयोगित एवं नई शीशी उपयोगि करने के बारे में बताया गया। सम्बन्धित प्रभारी को भी इसको नियमित चेक करने हेतु निर्देशित किया गया।	बी0सी0पी0एम0 / ए0एन 0एम0
	टीकाकरण का रजिस्टर व्यवस्थित रूप से नहीं भरा पाया गया तथा इसके बारे में ए0एन0एम0 महोदया को पता होने के उपरांत भी सहीं करने का समय प्राप्त नहीं हो पा रहा। जैसा कि दल को ज्ञात हुआ कि उनका रजिस्टर ब्लाक स्तरीय अधिकारियों द्वारा चेक किया जाता है।	राज्य स्तरीय दल द्वारा ए0एन0एम0 महोदया को रजिस्टर के महत्व तथा सभी आवष्यक जानकारियां ससमय भरने हेतु निर्देशित किया गया। सम्बन्धित बी0सी0पी0एम0 को भी रजिस्टर नियमित चेक करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही सम्बन्धित अधिकारियों को भी अवगत कराकर उचित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।	बी0सी0पी0एम0 / ए0एन 0एम0
	सत्र में उपस्थित आशा बुद्वेश कुमारी अपनी आशा ड्रेस में थी सत्र के दौरान उनके पास अपना निर्धारित बैग व अन्य सामग्री नहीं थी।	दल द्वारा आशा को उसकी ड्रेस एवं बैग के महत्व के बारे में बताया गया एवं कहा गया कि सत्र / चिकित्सा इकाई पर अपनी ड्रेस में बैग के साथ ही सदैव आए।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0
	आशा के रजिस्टर के अवलोकन के दौरान पाया गया कि – • रजिस्टर व्यवस्थित रूप से नहीं भरा जा रहा है तथा विशिष्ट परिवार संख्या कॉलम खाली पाए गए। रजिस्टर की हालत खराब	राज्य स्तरीय दल द्वारा आशा को रजिस्टर का महत्व बताते हुए उसे नियमित रूप से अपडेट करने का कहा गया। साथ ही उपस्थित बी0सी0पी0एम0 को भी इस बारे में प्रभारी चिकित्साधिकारी को अवगत कराते हुए आशा संगनियों द्वारा किए जा रहे कार्य को नियमित सुपरवाईज करने हेतु निर्देशित	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0 पी0एम0

	थी। • गॉव में होने वाले बच्चो के जन्म का रिकार्ड एवं आशा ड्यू लिस्ट भी ठीक प्रकार से नही भरी जा रही थी और अपडेट भी नहीं थी। • आशा द्वारा बताया गया कि उसका रजिस्टर/ रिकार्ड आशा संगिनी द्वारा चेक किया जाता है जो कि उपस्थित नहीं थी।	किया गया	
चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	**सुधारात्मक कार्यवाही**	**कार्यवाही का स्तर**
हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर,धन्तौली	• सेन्टर प्रभारी दीक्षा अपने निर्धारित ड्रेस कोड में थी। • सेन्टर काफी पुराना था और कमरे का प्लास्टर उखडा था यहां तक कि समस्त जगह पर दरारे थी। • जबकि बगल में ही सेन्टर की एक ओर बिल्डिंग बनी थी किन्तु बाउन्डी वाल सेन्टर शिफट नहीं हो पा रहा था। यह बाउन्डी प्रधान के सहयोग से बनाई जानी है जो कि सहयोग नहीं कर रहा है। • सेन्टर पर समस्त अपेक्षित सेवाएं प्रदान की जा रही थी। जिनका रिकार्ड ठीक प्रकार से पाया गया। • रिकार्ड का रख रखाव ठीक प्रकार से नहीं हो रहा है। • परिवार नियोजन सेवांएं हेतु बास्केट आफ चाइस नहीं पाया गया। • सेन्टर पर कण्डोम बाक्स लगा नहीं पाया गया। • परिसर में पानी की व्यवस्था तो थी किन्तु बिजली नहीं थी हांलाकि बैकअप है। • सेन्टर के शैचालय की स्थिति खराब थी व साफ नहीं था। जिसके कारण नियमित अनुपयोगित था। • अन्तरा की प्रथम डोज सी0 एच0ओ0 द्वारा प्रदान की जा रही थी। उनको किसने कहा कि वह प्रथम डोज देंगे, इसका कोई स्पष्ट उत्तर प्राप्त नहीं हुआ।	राज्य स्तरीय दल द्वारा चिन्ता जताते हुए यथाशीध्र सेन्टर को बगल में बने सेन्टर पर शिफ्ट कराने का सुझाव दिया जिससे कोई अप्रिय दुर्घटना न हो जाएं। दल द्वारा डी0पी0एम0 के द्वारा प्रधान को फोन पर बात करने का कहा गया जिससे कि मामले का निस्तारण किया जा सके व सेन्टर शिफ्ट हो सके। दल द्वारा बास्केट आफ चाइस का महत्व बताते हुए इसको सेन्टर पर रखने का सुझाव दिया गया साथ ही इससे सम्बन्धित आई0ई0सी0 को ब्लाक के चिकित्सालय से प्राप्त कर उसको समुचित उपयोग करने का सुझाव दिया। राज्य स्तरीय दल द्वारा उपस्थित सेन्टर प्रभारी को यह सुझाव दिया गया कि जो भी महिलांए अन्तरा की प्रथम डोज हेतु आ रही है, उनका नियमित फालोअप आश द्वारा किया जाये जिससे अगली डोज के लिए उनको आ रही दिक्कतों को दूर करते हुए मोबिलाइज किया जा सके। साथ ही यह	प्रभारी चिकित्साधिकारी/बी0सी0पी0एम0

		चेतावनी दी गई कि दिश निर्देशनुसार उनको किसी दश में अन्तरा की प्रथम डोज नहीं देनी है, प्रथम डोज सिर्फ चिकित्सा इकाई मे मेडिकल आफिसर द्वारा लाभार्थी के परीक्षणोंपरांत दी जानी है। राज्य स्तरीय दल द्वारा साथ में भ्रमण में आए डी0पी0एम0 को यह सुझाव दिया गया कि इस सम्बन्ध में एक पत्र जनपद के समस्त सी0एच0ओ0 को जारी किया जाये जिससे भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो।	
चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	**सुधारात्मक कार्यवाही**	**कार्यवाही का स्तर**
ग्राम **स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस,अकोड़ी दुबे**	सत्र सम्बन्धी बैनर स्थल पर नहीं था, बल्कि टीकाकरण के बैनर लगे पाए गए। सत्र में उपस्थित ए0एन0एम0 के पास बैनर उपलब्ध भी नहीं था। सत्र का आयोजन आंगनबाडी सेन्टर पर किया जा रहा था।	राज्य स्तरीय दल द्वारा डी0पी0एम0 को इस बारे में अवगत कराते हुए सत्र सम्बन्धी बैनर उपलब्ध कराने हेतु सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी/डी0पी0एम0
	ए0एन0एम0 इकबाल जहॉ के पास न माइको प्लान था और न ही सत्र संचालन हेतु अपेक्षित सामग्री। दल को उनकी कार्य प्रणाली और तरीके से कार्य के प्रति अरूचि प्रतीत हुई डयू लिस्ट के अनुसार टीकाकरण नहीं हुआ था, पता चला कि गांव के अधिकतर लोग इस वक्त कार्य हेतु खेत पर चले जाते है जिस कारण वह नहीं आते है और न ही अपने बच्चों को भेजते है। सत्र के दौरान कोई आश मौजुद नहीं थी सिर्फ आंगनबाडी सहायिका थी, आश लोगो को बुलाने गइ थी। किन्तु दल की उपस्थिति तक वह नहीं आई।	दल द्वारा ए0एन0एम0 महोदया को अपने कार्य के प्रति रूचि जगाते हुए कार्य सम्पादन हेतु प्रोत्साहित किया गया तथा ऐसा ही अपनी आशओं के साथ करने को कहा गया जिससे वह अधिक से अधिक लोगो को सत्र में ला सके व जनमानस को लाभान्वित कर सके।	प्रभारी चिकित्साधिकारी/डी0पी0एम0
तृतीय दिवस–19 जनवरी 23			
चिकित्सा इकाई	अवलोकन **बिन्दु**	**सुधारात्मक कार्यवाही**	**कार्यवाही का स्तर**
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र,जालौन,	चिकित्सा इकाई ब्लाक सडक के किनारे स्थापित की गयी है। • सेन्टर प्रभारी/चिकित्साधिकारी अपने ड्रेस कोड में नही थे, जबकि शेष स्टाफ निर्धारित ड्रेस कोड में उपस्थित थे तथा आई कार्ड लगा रखा था। • चिकित्सा इकाई में साफ सफाई थी। • चिकित्सा इकाई पर कुछ मरीज उपस्थित थे जिनसे ठीक प्रकार से बर्ताव किया जा रहा था।	• दल द्वारा चिकित्साधिकारी को अपने निर्धारित ड्रेस का महत्व बताते हुए अपने ड्यूटी के दौरान सदैव उसका पालन करने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा चिकित्सा इकाई की साफ सफाई की प्रशंसा की गई तथा इसको यथा स्थिति बनाये रखने का सुझाव दिया गया। • राज्य स्तरीय दल द्वारा अवलोकन उपरांत किये जा रहे कार्य की सराहना की गई तथा यथा स्थिति बनाये रखने हेतु स्टाफ को प्रेरित	नर्स मेंटर/स्टाफ नर्स/प्रभारी चिकित्साधिकारी

	• चिकित्सा इकाई पर मातृ स्वास्थ्य, परिवार नियोजन एवं अन्य गतिविधियों से जुडे पोस्टर लगे थे। ओ0पी0डी0 में कही कंडोम बाक्य नही लगा था जबकि मातृत्व स्वास्थ्य परिसर में लगा था।	किया गया।	
		• दल द्वारा ओ0 पी0डी0 परिसर में भी कंडोम बाक्स लगाने का सुझाव दिया जिससे कि अधिक से अधिक लोग इस सेवा का लाभ उठा सके।	
	मातृ स्वास्थ्य –		
	• समस्त रिकार्ड व्यवस्थित रूप से पाए गए।		
	• चिकित्सा इकाई पर औसतन 3–4 प्रसव प्रतिदिन हो रहे है, जिसका रिकार्ड सही स्थिति में पाया गया। प्रसव रजिस्टर कें अंत में दी गई मासिक सारांश शीट नियमित व सही प्रकार से भरी जा रही है। हॉलाकि रिकार्ड थोडा अव्यवस्थित दिखा।	• दल द्वारा समस्त रिकार्ड व सूचनाएं विधिवत निर्धारित रजिस्टर में अंकित किये जो को लेकर मेंटर व नर्स की सराहना गई एवं यथा स्थिति बनाए रखने हेतु प्रोत्साहित किया। साथ ही यह भी सुझाव दिया कि यदि कोई दिक्कत रिकार्ड कीपिंग में आए तो जनपद स्तरीय अधिकारियों को सूचित कर उनकी मदद ले।	
	• प्रसव कक्ष से लगा शैचालय साफ सुथरा दिखा।		
	• दो टेबल प्रसव हेतु लगी हुई थी। दोनों टेबल के मध्य पार्टीश्न पाया गया तथा पर्दे लगे मिले।	• दल द्वारा अवलोकन उपरांत तैयार किये गये रिकार्ड की सराहना की गई तथा यथा स्थिति बनाये रखने हेतु स्टाफ को प्रेरित किया गया।	
	• कैलिस पैड पिचका मिला। दल को यह ज्ञात कराया गया कि इंण्डेट किया गया है, परन्तु अभी तक पैड नहीं मिले है ।	• दल को यह ज्ञात हुआ कि चिकित्सा इकाई को जनपर स्तर से ही आपूर्ति किये गये कैलिस पैड अपेक्षित गुणवत्तानुसार नहीं है अतः दल द्वारा कैलिस पैड का महत्व समझाते हुए डी0पी0एम0 को चिकित्सा इकाई को शीघ्र इसकी आपूर्ति करने का सुझाव दिया जिससे प्रसव इकाई पर अनवरत सेवाएं जारी रह सके।	स्टाफनर्स / प्रभारी चिकित्साधिकारी
	• दीवार पर डिजिटल घडी लगी मिली जो कि कार्य करं रही थी।		
	• समस्त दवाइया व उपकरण यथा स्थान पर मानकानुसार रखे मिले एवं स्टाफ नर्स को उसकी जानकारी थी।		नर्स मेंटर / स्टाफनर्स / प्रभारी चिकित्साधिकारी
	• कक्ष में लगा रेडियो वार्मर कार्य कर रहा था।	• दल द्वारा समस्त साधनों को एक टोकरी में सजाकर अथवा एक पोस्टर में चिपकाकर उनका बास्केट ऑफ चाईस बनाने का सुझाव दिया गया जिससे आने वाला क्लाइंट अपनी पसंद के अनुसार तुरन्त साधन चुन सके।	
	परिवार नियोजन–		
	• सेन्टर पर परिवार नियोजन से जुडे अस्थाई साधन– अन्तरा गर्भ निरोधक, छाया गर्भ निरोधक साप्ताहिक गोली, कंडोम उपलब्ध थे, लेकिन उनको बास्केट ऑफ चाईस में नहीं रखा गया था।		
	• कार्यक्रम सम्बन्धी दस्तावेज व रजिस्टर – सुव्यवस्थित ढंग से बनाये व रखे गये थे।		
	• आई0यू0सी0डी0, अन्तरा,	• दल द्वारा कार्यक्रम से सम्बन्धित पम्पलेटों को निकलवाकर मेज पर	

	खुशहाल परिवार दिवस आदि कार्यक्रम से सम्बन्धित रजिस्टर व्यवस्थित ढंग से तैयार कर रखे हुए मिले। • खुश्हाल परिवार दिवस का रिकार्ड व्यवस्थित रूप से भरा हुआ नहीं पाया गया। • स्टाफ नर्स को आई0यू0सी0डी एवं अन्तरा लगाने का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है। जिसे सम्बन्धित रिकार्ड निर्घारित प्रपत्र रजिस्टर में अंकित किये जा रहे है। • परिवार नियोजन साधन अन्तरा आदि कार्यक्रम से सम्बन्धित पम्पलेट कोने में रखे हुए थे। • परिसर में कंडोम बाक्स लगा था तथा उसमें कंडोम भरे हुए पाए गए, जिसका रिफिलिंग रिकार्ड भी था। **पी0एन0सी0 कक्षः**—कक्ष में मरम्मत का कार्य चल रहा था और इस वक्त भी वहां महिलाएं प्रसव उपरांत बेड पर लेटी हुई थी। भर्ती महिलाओं से बात करने पर ज्ञात हुआ कि प्रसव उपरांत उनके साथ में आए तीमारदारों से न्योछावर ली जा रही है। राज्य स्तरीयदल द्वारा जब इसको लेकर पूछताक्ष की गई तो ज्ञात हुआ कि चिकित्सा इकाई के अन्य स्टाफ जो कि प्रसव कक्ष में तैनात है उनके द्वारा यह कृत्य किया जा रहा हे। महिलाओं को नियमित जे0एस0एस0एस0के0 डाईट मिल रही है तथा इसको लेकर कोई शिकायत नहीं मिली। **नियमित टीकाकरण** :— • चिकित्सा इकाई पर कार्यरत ए0एन0एम0 को टीकाकरण शेड्यूल के बारे में विधिवत जानकारी नहीं थी। • ए0ई0एफ0आई0 का कोई रजिस्टर उपलब्ध नहीं था। चिकित्सा इकाई पर टीकाकरण के पश्चात होने वाली प्रतिकूल घटना	लगाये जाने व उसके ऊपर शीाश लगाने का सुझाव दिया गया, जिससे उनका व्यापक प्रदर्शन हो तथा चिकित्सा इकाई पर सेवा प्राप्त करने हेतु आने वाली महिलाएं साधनों के प्रति अधिक जागरूक हेा सके। • दल द्वारा अन्तरा गर्भ निरोधक की तीनों डोज का महत्व बताते हुए स्टाफ नर्स से आाश के माध्यम से चिन्हित महिलाओं को को प्रेरित कर बाकि खुराक लेने व उनको नियमित फालोअप करने का सुझाव दिया। • राज्य स्तरीय दल द्वारा सुझाव दिया गया कि जब तक कक्ष के मरम्मत का कार्य पूरा नहीं हो जाता है, तब तक भर्ती महिलाओं को अन्य कक्ष में शिफ्ट कर दिया जाये जिससे किसी अप्रिय स्थिति का सामना न करना पड़े। • दल द्वारा कड़ी आपत्ति जताते हुए प्रभारी चिकित्साधिकारी से इसकी जांच कराते हुए प्रसव कक्ष से सम्बन्धित समस्त कर्मियों को चेतावनी पत्र जारी करने का सुझाव दिया जिससे कि ऐसे कार्य को रोका जा सके तथा इसको रोकने को लेकर दीवार लेखन भी कराने को कहा गया जिससे जनमानस जागरूक हो सके तथा ऐसी स्थिति आने पर सम्बन्धित से सम्पर्क कर सके। • दल द्वारा स्टाफ नर्स को टीकाकरण शेड्यूल के बारे में अभिमुखीकृत किया गया तथा आगे इसी प्रकार टीकाकरण शेड्यूल का पालन करने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा ए0ई0एफ0आई0 के बारे में अभिमुखीकृत किया गया। साथ ही यह सुझाव दिया गया कि ए0ई0एफ0आई0 रजिस्टर की उपलब्धता शीघ्र ही सुनिश्चित करायी जाए ताकि सभी प्रकार के ए0ई0एफ0आई0 मामलों की रिपोर्टिंग की जाए जो समुदाय में वैक्सीन पर विश्वास को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी

	(ए0ई0एफ0आई0) की रिपोर्टिंग हेतु ब्लाक ए0ई0एफ0आई0 रजिस्टर की उपलब्धता नही पायी गयी।		
	अवलोकन बिन्दु	**सुधारात्मक कार्यवाही**	**कार्यवाही का स्तर**
प्राथमिक स्वा0 केन्द्र, चिरिया सलेमपुर	• चिकित्सा इकाई की इमारत काफी पुरानी प्रतीत हो रही थी। • इमारत का रंग रोगन भी काफी पुराना सा लग रहा था। • मातृ स्वा0 एवं प0क0 से सम्बन्धित आई0ई0सी0 कम प्रदर्शित थी। • केन्द्र के परिसर मे काफी जगह थी, किन्तु उसके सापेक्ष जगह का समुचित उपयोग नहीं किया गया था। परिसर में काफी जगह अनुपयोगित पड़ी थी। • परिसर में जो भी दीवार लेखन किया गया था वह काफी पुराना प्रतीत हो रहा था। • प्रभारी चिकित्साधिकारी के कक्ष में चिकित्सालय द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं व उपलब्धियों से जुड़ी जानकारी प्रदर्शित नहीं थी, कक्ष में लगा डिस्प्ले बोर्ड पर किसी प्रकार की कोई सूचना अंकित नहीं था, जो कि अनुपयोगित प्रतीत हो रहा था। कक्ष में सी0सी0टी0वी कैमरे लगे है परन्तु कार्य नहीं कर रहे है। • परिवार नियोजन से सम्बन्धित कुछ योजनाओं – एफ0पी0आई0एस0, पी0सी0पी0 एन0 डी0 टी0 आदि जनमानस हित से जुड़ें कार्यकम की सूचना प्रदर्शित नहीं थी। • चिकित्सालय मे उपस्थित समस्त स्टाफ/चिकित्सक अपने निर्धारित ड्रेस कोड में नही मिले और न ही उसका पालन करना उनको जरूरी प्रतीत हो रहा था। • ओ0पी0डी0 कक्ष व चिकित्सालय में पर्याप्त सफाई का अभाव मिला देखने को मिला। • दल को परिसर में कंडोम	• राज्य स्तरीय दल द्वारा प्रभारी चिकित्साधिकारी को परिसर का समुचित उपयोग करते हुए अधिक से अधिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों से सम्बन्धित सूचनाओं/संदेशों को दीवार लेखन के द्वारा जनमानस के मध्य प्रचलित करने का सुझाव दिया गया। • चूकि कोविड आपदा उपरांत, वर्तमान परिस्थितियां सामान्य हो गई है, अतः उपस्थिति चिकित्साधिकारी को परिसर को पुनः जनमानस की सेवाओं के उपयोग हेतु पूर्णतया तैयार करने हेतु निर्धारित मानको के अनुरूप व्यवस्थाएं आरंम्भ करने का सुझाव दिया गया। • जनमानस हित से जुडें कार्यकम की सूचनाएं दीवार लेखन के माध्यम से प्रदर्शित किये जाने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा परिसर में कार्यरत सफाई कर्मचारी के माध्यम से प्रतिदिन कम से कम 02 बार व्यापक सफाई कराने एवं उसकी निगरानी किये जाने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा शीघ्र ओ0पी0डी0 परिसर में 02 कंडोम बाक्स लगाये जाने का सुझाव दिया गया, जिससे जनमानस उसका अधिकाधिक लाभ उठा सके। • दल द्वारा परिसर में लगे सी0सी0टी0वी कैमरे को रोगी कल्याण समिति फंड की मदद से सही करवाने का सुझाव दिया गया	प्रभारी चिकित्साधिकारी स्टाफ नर्स/ए0एन0एम0/प्रभारी चिकित्साधिकारी

	बाक्स नहीं दिखा। **<u>प्रसव कक्ष –</u>** • चिकित्सालय में प्रतिदिन प्रसव हो रहे है किन्तु प्रसव को लेकर क्या क्या तैयारियां ओ0टी0 में रखी जानी आवश्यक है, इसकी समुचित जानकारी स्टाफ नर्स को नहीं है। • कक्ष में कैलिस पैड था ही नहीं। पूडने पर बताया गया कि पंचर हो गए है तथा इसकी मांग की गई है, परन्तु इंडेण्ट का रिकार्ड नहीं दिखा पाई • बेसिक जानकारी – कैलिस पैड कैसे होने चाहिए जो कि पिचके हुए दिखे तथा नियर टू एक्सपायरी दवाई क्या होती है उसके क्या मानक है इसका कोई ज्ञान/जानकारी नहीं मिली। • बच्चों को विटामिन के नहीं दिया जा रहा है क्योंकि स्टाक में नहीं है। • कक्ष में फीटोस्कोप नही था, उसका क्या कार्य होता है स्टाफ नर्स व ए0एन0एम0 से कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। • कक्ष में लगा रेडियोवार्मर खराब पड़ा है। **<u>प्रसव रिकार्ड कक्ष–</u>** • प्रसव से सम्बन्धित रिकार्ड आधे अधूरे पाए गए। • केस शीट भरी नहीं जा रही है। • बेसिक जानकारियों का अभाव दिखा। **<u>पी0एन0सी0 कक्ष–</u>** • यही हाल बगल में बने कक्ष का दिखा। • व्यापक साफ सफाई की कमी मिली। • बेड पर बिछी चादरे काफी गंदी थी। • कक्ष में मातृ स्वा0 संदेशो के प्रसारण हेतु लगा टी0वी0 खराब मिला। स्टाफ में आपस में सामंजस्य की कमी दिखी तथा कार्य के प्रति लापरवाही उजागर हुई।	• कैलिस पैड की उपयोगिता के सम्बन्ध में स्टाफ नर्स को बताया गया। • दल द्वारा व्यापक आई0सी0सी0 मातृत्व स्वास्थ्य पोस्टर लगाने तथा प्रसव कक्ष में उचितप्रकार से पर्दा लगाने का सुझाव दिया गया जिससे प्रसव हेतु आने वाली महिलाओं के मध्य गोपनीयता बनी रहें। • नर्स को समस्त रिकार्ड दल द्वारा आपत्ति जताते हुए समस्त रिकार्ड 01 माह में ठीक किये जाने का निर्देशित किया गया। • उपस्थित स्टाफ नर्स को प्रसव रजिस्टर की महत्ता समझाते हुए वाछित समस्त सुचनाओं को विधिवत् एवं समय से भरने हेतु अपडेट रखने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा यथा संभव साफ धूली चादरे बिछाने का सुझाव दिया जिससे महिलाओं को गंदी चादरों से कोइ संकमण न हो सके। • दल द्वारा प्रभारी चिकित्साधिकारी महोदय को कार्यरत समस्त स्टाफ नर्सो से कार्य दायित्वों के प्रति लापरवाही पर स्पष्टीकरण प्राप्त करते हुए समस्त रिकार्ड व व्यवस्थाएं शीघ्र सही करने हेतु सुझाव दिया गया। • दल द्वारा विटामिन के जो कि ब्लाक की एफ0आर0यू0 इकाई में उपलब्ध है,शीघ्र इंडेण्ट कर चिकित्सालय में उपलब्ध कराने हेतु साथ में आए डी0पी0एम0 महोदय को सुझाव दिया गया।	

	मेडिसन कक्ष • कक्ष में आवश्यक दवाईयों की सूची उपलब्ध नहीं थी। • रिकार्ड अव्यवस्थित व असंतोषजनक पाए गए। **प्रयोगशाला–** • कक्ष साफ सुथरा मिला। • लैब टेक्निशियन का स्थानातरण होने के कारण टी0बी0 को छोड़कर कोई अन्य जांच नहीं हो रही है। • कक्ष में अत्याधुनिक हेल्थ ए0टी0एम0 मशीन लगी हुई है जो कि उचित रूप से प्रयोग न हो पाने के कारण अनुपयोगित पड़ी है। • जांच उपकरणों व रखे साजो सामान पर धूल जमी दिखी • कक्ष में उपस्थित टेक्निशियन द्वारा पी0पी0ई0 का प्रयोग नहीं किया था। • जांच उपकरण– माइक्रोस्कोप आदि कार्य कर रहे थे। **नियमित टीकाकरण :–** • चिकित्सा इकाई पर कार्यरत ए0एन0एम0 को टीकाकरण शेड्यूल के बारे में विधिवत जानकारी नहीं थी। • ए0ई0एफ0आई0 का कोई रजिस्टर उपलब्ध नहीं था। चिकित्सा इकाई पर टीकाकरण के पश्चात होने वाली प्रतिकूल घटना (ए0ई0एफ0आई0) की रिपोर्टिंग हेतु ब्लाक ए0ई0एफ0आई0 रजिस्टर की उपलब्धता नही पायी गयी।	• रेफरल रजिस्टर में समस्त आवश्यक सूचनाओं को अंकित करने हेतु स्टाफ नर्स को सुझाव दिया गया। फार्मासिस्ट महोदय को चेतावनी देते हुए शीघ्र आवश्यक दवाईयों की सूची तैयार कर वहां पर बतौर रिकार्ड रखने को कहा गया। • एक्सरे टेक्निशियन को पी0पी0ई0 का महत्व समझाते हुए इसका सदैव प्रयोग किये जाने का सुझाव दिया गया। • राज्य स्तरीय दल द्वारा टी0बी0 की जांच हेतु अलग कक्ष की व्यवस्था किये जाने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा कक्ष में प्रतिदिन कम से कम 02 बार व्यापक सफाई कराने एवं उसकी निगरानी किये जाने का सुझाव दिया गया। • टेक्निशियन को पी0पी0ई0 का महत्व समझाते हुए इसका सदैव प्रयोग किये जाने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा स्टाफ नर्स को टीकाकरण शेड्यूल के बारे में अभिमुखीकृत किया गया तथा आगे इसी प्रकार टीकाकरण शेड्यूल का पालन करने का सुझाव दिया गया। दल द्वारा ए0ई0एफ0आई0 के बारे में अभिमुखीकृत किया गया। साथ ही यह सुझाव दिया गया कि ए0ई0एफ0आई0 रजिस्टर की उपलब्धता शीघ्र ही सुनिश्चित करायी जाए ताकि सभी प्रकार के ए0ई0एफ0आई0 मामलों की रिपोर्टिंग की जाए जो समुदाय में वैक्सीन पर विश्वास को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।	
चिकित्सा इकाई	**अवलोकन बिन्दु**	**सुधारात्मक कार्यवाही**	**कार्यवाही का स्तर**
हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर,साहो	• सेन्टर पर कंडोम बाक्स लगा नहीं मिला। • सेंटर प्रभारी अपने निर्धारित ड्रेस में थी। • सेन्टर पर व्यापक आई0ई0सी0 का प्रदर्शन नहीं था । • कक्ष से लगा स्टोर कक्ष काफी	• दल द्वारा कंडोम बाक्स का महत्व बताते हुए उसे सेन्टर पर लगाने का सुझाव दिया गया। • राज्य स्तरीय दल द्वारा सेन्टर की व्यवस्था हेतु सेन्टर प्रभारी का और अधिक प्रयास करने को कहा गया जिससे उपलब्ध समस्त सुविधाएं जनमानस तक पहुंच सके।	सी0एच0ओ0 / बी0पी0एम0 / बी0सी0पी0एम0 / प्रभारी चिकित्साधिकारी

	गंदा व अनुपयोगित था। • सेंटर की बांन्डिंग की गई थी। • सेंटर प्रभारी को कार्य के प्रति जानकारी थी तथा किन्तु उसका उपयोग नहीं दिख रहा था। • सेन्टर पर समस्त अपेक्षित सेवाएं प्रदान की जा रही थी। जिनका रिकार्ड व्यवस्थित रूप से पाया गया। • सेन्टर पर 01 ए0एन0एम0 भी तैनात थी। • सेन्टर पर सामान्य प्रसव सेवाएं प्रदान की जा रही थी एवं औसतन 4–5 प्रसव प्रतिमाह हो रहे है। • सेन्टर पर पावर बैक अप की सुविधा नहीं थी तथा विगत 3 दिनों से वहां बिजली भी नहीं थी। • रिकार्ड का रख रखाव ठीक प्रकार से हो रहा है। • परिवार नियोजन सेवांएं हेतु बास्केट आफ चाइस प्रदर्शित नही की गई थी। • दो बैड के बने पी0एन0सी0 वार्ड में एक बेड पर मुख्य मीटर का खुला तार लटका मिला, जो कि किसी होने वाली अप्रिय दुर्धटना का संकेत लगा। **<u>विशेष टीकाकरण पखवाड़ा सत्र</u>** • ए0एन0एम0 एवं आशा द्वारा ई–कवच एप्लिकेशन का उपयोग नहीं किया जा रहा था। • ए0एन0एम0 एवं आशा को ई–कवच एप्लिकेशन के उपयोग हेतु पर्याप्त जानकारी नहीं पायी गयी। • पर्याप्त रूप से अद्यतन ड्यू लिस्ट नहीं पायी गयी। • आशा एवं ए0एन0एम0 द्वारा पिछले 7 दिनों में ई–कवच एप्लिकेशन का उपयोग नहीं किया जा रहा था। • सत्र स्थल की संबंधित सी0एच0ओ0 को ई–कवच	• दल द्वारा इसी प्रकार रिकार्ड व्यवस्था सुचारू रूप से बनाए रखने का सुझाव दिया गयां। • राज्य स्तरीय दल द्वारा प्रसव की सुविधा के दृष्टिगत, साथ में उपस्थित डी0सी0पी0एम0 को सेन्टर पर प्रसव रजिस्टर शीघ्र उपलब्ध कराने हेतु कहा गया। • दल द्वारा समस्त साधनों को एक टोकरी में सजाकर अथवा एक पोस्टर में चिपकाकर उनका बास्केट ऑफ चाईस बनाने का सुझाव दिया गया जिससे आने वाला क्लाइंट अपनी पसंद के अनुसार तुरन्त साधन चुन सके। • दल द्वारा डी0पी0एम0 से पावर बैकअप की व्यवस्था कराने का सुझाव दिया जिससे जन सेवाएं प्रभावित न हो। • दल द्वारा तुरंत उस तार को हटवाया गया तथा भविष्य में ऐसा न हो इसका ध्यान रखने व बिजली मीटर को अन्यत्र शिफ्ट करने को कहा गया। • राज्य स्तरीय टीम द्वारा ई–कवच एप्लिकेशन हेतु निम्न सुधारात्मक कार्यवाही करने का सुक्षाव दिया गया– ➢ डी0पी0एम0 को प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के साथ मिलकर इस स्थिति की जांच करने की सलाह दी। ➢ दूसरा, सी0एच0ओ0, ए0एन0एम0 एवं आशा को ई–कवच एप्लिकेशन हेतु पुनः अभिमुखीकरित किए जाने की आवश्यकता है ताकि ई–कवच एप्लिकेशन के उपयोग हेतु पूरी तरह से जागरूक हों सके एवं अपने कार्यक्षेत्र के डेटा की संपूर्ण रूप से आपूर्ति करने में भी सक्षम हों।	

	एप्लिकेशन के उपयोग हेतु पर्याप्त जानकारी नहीं पायी गयी एवं उसके साथ ही ई–कवच एप्लिकेशन पर वर्तमान तक किए गए कार्य का अपडेट देने में भी असमर्थ पायी गयी। • सी0एच0ओ0 निम्न बिन्दुओं को बताने में असमर्थ पायी गयी कि ➢ आशा ने हेड काउंट सर्वे हेतु कितना लक्ष्य लिया है एवं लक्ष्य के सापेक्ष कितनो की प्रविष्टि ई–कवच पर की गयी है ➢ टीकाकरण से ड्यू वाले कितने बच्चे पाए गए एवं ड्यू वाले बच्चों मे से कितनो का टीकाकरण किया गया जा चुका है। • सत्र स्थल पर हेड काउंट सर्वे का निर्धारित प्रारूप नहीं पाया गया। सत्र स्थल पर बच्चों का टीकाकरण किया जा रहा था परन्तु उनको ई–कवच पोर्टल पर अपडेट नहीं किया जा रहा था।	➢ सी0एच0ओ0 को अपने संबंधित कार्यक्षेत्र के ई–कवच एप्लिकेशन की गतिविधि का पर्यवेक्षण करने की आवश्यकता है साथ ही ए0एन0एम0 एवं आशा के ई–कवच एप्लिकेशन उपयोग पर नजर रखने साथ उनका आकलन करने की भी आवश्यकता है। ➢ सी0एच0ओ0 को शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने की आवश्यकता है ताकि ई–कवच पोर्टल पर आवश्यक कार्य समाप्त हो सके।	

चतुर्थ दिवस–20 जनवरी 23

चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, तुफैलपुरवा	चिकित्सा इकाई मुख्य सड़क के किनारे किराये के स्थान पर स्थापित की गयी है। • सेन्टर प्रभारी/चिकित्साधिकारी अवकाश पर थे इस कारण फार्मासिस्ट उनकी अनुपस्थिति में कार्य देख रहे थे। • सभी स्टाफ अपने ड्रेस कोड में नही थे, न ही कोई आई0कार्ड लगा रखा था। • चिकित्सा इकाई तीन हॉलनुमा कमरों में स्थापित की गई है, जहॉ र्प्याप्त प्रकाश नहीं आता हैं इस कारण वहां पर सीलन व नमी बनी रहती है। • चिकित्सा इकाई पर मातृ स्वास्थ्य, परिवार नियोजन एवं अन्य गतिविधियों से जुडे पोस्टर र्प्याप्त नहीं थे जो लगे थे वह काफी पुराने लग रहे थे। **<u>मातृ स्वास्थ्य –</u>** • रिकार्ड व्यवस्थित रूप से नहीं	• दल द्वारा उपस्थित स्टाफ को निर्धारित ड्रेस का महत्व बताते हुए अपने ड्यूटी के दौरान सदैव उसका पालन करने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा सेन्टर की साफ सफाई की प्रशंसा की गई तथा इसको यथा स्थिति बनाये रखने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा कार्य के प्रति बरती जा रही लापरवाही के प्रति चिन्ता व्यक्त की गई तथा चेतावनी दी गई। उपस्थित स्टाफ से यह भी कहा कि यथाशीघ्र कार्य में सुधार करें। यदि कोई दिक्कत रिकार्ड कीपिंग में आए तो जनपद स्तरीय अधिकारियों को सूचित कर उनकी मदद ले। • दल द्वारा ए0एन0सी0 हेतु उपयोगित की जाने वाली वेट मशीन सही कराते हुए	स्टाफनर्स/प्रभारी चिकित्साधिकारी

	पाए गए। • चिकित्सा इकाई पर डिलवरी नहीं होती है, ए0एन0सी0 की जाती है जिसका रिकार्ड भलीभांति नहीं पाया गया। • • ए0एन0सी0 हेतु उपयोगित की जाने वाली वेट मशीन सही प्रकार से कार्य नहीं कर रही। जबकि हाईट स्केल उपयोग नहीं किया जा रहा है। • ब्लड प्रेश्र मशीन में सेल पूर्व में ही खत्म हो गए है जिसको बदलने की जरूरत नहीं समझी गई है। • चिकित्सा इकाई का शैचालय साफ दिखा।	हाईट स्केल व वेट मशीन एक साथ रखने व उपयोग किये जाने का सुझाव दिया गया जिससे एक ही जगह पर रिकार्ड रखा जा सके। • दल द्वारा समस्त साधनों को एक टोकरी में सजाकर उनका बास्केट ऑफ चाईस बनाने का सुझाव दिया गया जिससे आने वाला क्लाइंट अपनी पसंद के अनुसार तुरन्त साधन चुन सके। • राज्य स्तरीय दल द्वारा इस प्रकार बरती जा रही लापरवाही के प्रति चेतावनी देते हुए तुरन्त सेल लाकर ब्लड प्रेश्र मशीन को चालू करने का सुझाव दिया।	स्टाफनर्स / प्रभारी चिकित्साधिकारी
	<u>परिवार नियोजन–</u> • सेन्टर पर परिवार नियोजन से जुडे अस्थाई साधन– अन्तरा गर्भ निरोधक, छाया गर्भ निरोधक साप्ताहिक गोली, कंडोम उपलब्ध थे, जिसकी स्टाफ नर्स ने बास्केट ऑफ चाईस भी बनाई थी। • कार्यक्रम सम्बन्धी दस्तावेज व रजिस्टर – अव्यवस्थित ढंग से बनाये व रखे गये थे। • स्टाफ नर्स को यह नहीं पता है कि ईन्टर्वल आई0यू0सी0डी क्या होता है। • खुश्हाल परिवार दिवस का रिकार्ड मांगने पर भी दिखाया नहीं गया। • स्टाफ नर्स को आई0यू0सी0डी एवं अन्तरा लगाने का प्रश्क्षिण प्राप्त हुआ है। परन्तु रिकार्ड अव्यवस्थिता रू॰ से भरे जा रहे है। संज्ञान में आया कि निर्धारित प्रारूप रजिस्टर प्राप्त नहीं हुए है। • परिवार नियोजन साधन अन्तरा आदि कार्यक्रम से सम्बन्धित पम्पलेट कोने में रखे हुए थे। • परिसर में कंडोम बाक्स लगा था तथा उसमें कंडोम भरे हुए पाए गए, जिसका रिफिलिंग रिकार्ड भी था।	• दल द्वारा कार्यक्रम से सम्बन्धित पम्पलेटों को निकलवाकर मेज पर लगाये जाने व उसके ऊपर शीश लगाने का सुझाव दिया गया, जिससे उनका व्यापक प्रदर्श्न हो तथा सेन्टर पर सेवा प्राप्त करने हेतु आने वाली महिलाएं साधनों के प्रति जागरूक हेा सके। • अन्तरा गर्भ निरोधक की तीनों डोज का महत्व बताते हुए स्टाफ नर्स से स्वयं या ए0एन0एम0 के माध्यम से नजदीक की बस्तियों में जाकर महिलाओं को प्रेरित कर बाकि खुराक लेने व उनको नियमित फालोअप करने का सुझाव दिया। • दल द्वारा साथ में आए अर्बन हेल्थ कार्डिनेटर को जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई से बात कर अपेक्षित रजिस्टर/रिकार्ड उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा स्टाफ नर्स को टीकाकरण श्ेड्यूल के बारे में अभिमुखीकृत किया गया तथा आगे इसी प्रकार टीकाकरण श्ेड्यूल का पालन करने का सुझाव दिया गया। • राज्य स्तरीय दल ने यह महसुस किया है कि समस्त स्टाफ के मध्य आपसी समन्वय की कमी तथा नेतृत्वशीलता के अभाव के दृष्टिगत, सेन्टर की हालन दयनीय बनी हुई है। दल द्वारा इस सम्बन्ध में अवकाश में गए सेन्टर चिकित्साधिकरी से बात करने का प्रयास किया गया किन्तु उनका फोन बंदी पाया गया।	अर्बन हेल्थकार्डिनेटर / प्रभारी चि0
	<u>नियमित टीकाकरण</u> :– • चिकित्सा इकाई पर कार्यरत स्टाफ नर्स को टीकाकरण श्ेड्यूल के बारे में विधिवत	• सर्वेक्षण उपरांत दल द्वारा साथ में आए डी0सी0पी0एम00 महोदय को यह सुझाव दिया गया कि सेन्टर के चिकित्साधिकारी, समस्त स्टाफ नर्स व समस्त ए0एन0एम0	डी0पी0एम0 / डी0सी0पी0ए0

	जानकारी नहीं थी। • टीका देने के 4 मानक क्या है और उसका किस प्रकार पालन करना है इसका विधिवत ज्ञान उपस्थित स्टाफ नर्स व ए0एन0एम0 को नही है। न ही टीका देने हेतु यह पूछना जरूरी समझती है कि बच्चे को बुखार या अन्य कोई तकलीफ तो नही है। • दल के सामने एक ए0एन0एम0 ने आई हुई महिला के बच्चे को टीका देने के उपरांत सिकाई आदि हेतु कहा जिससे पता चल रहा था कि किस प्रकार से गुणवत्ता को किनारे करके जनमानस को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा रही है। • एक महिला लाभार्थी ने बताया कि वह जब भी यहां आती है उसको बिना कोई परामर्श दिए ही उसके बच्चे को इलाज प्रदान किया जाता है कोइ कुछ बताता नहीं हैं • सत्र स्थल पर बच्चों का टीकाकरण किया जा रहा था परन्तु उनको ई–कवच पोर्टल पर अपडेट नहीं किया जा रहा था।	को चेतावनी पत्र जारी करते हुए कार्य सुधारने हेतु 15 दिन का समय प्रदान किया जाये। 15 दिन बाद मुख्य चिकित्साधिकारी व डीप0पी0एम0यू0 कार्यालय से संयुक्त टीम द्वारा सेन्टर का निरीक्षण किया जाये। यदि कार्य सुधार नहीं दिखता है तो सेन्टर की समस्त स्टाफ नर्स व ए0एन0एम0 को अन्यत्र स्थानान्तरित कर दिया जाये।	

मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय, जनपद जालौन दिनांक 20.01.2023

जनपद जालौन कें भ्रमण उपरांत राज्य स्तरीय दल द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में भ्रमण के दौरान इंगित बिन्दुओं के बारे में मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय से चर्चा हेतु उपस्थित हुआ तथा मुख्य चिकित्साधिकारी महोदयं एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धक इकाई को 04 दिवसों के दौरान जनपद कीब्लाक स्तरीय चिकित्सा इकाईयों, ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस, हेल्थ वेलनस सेन्टर तथा नगरीय चिकित्सा इकाईमें पाई गई कमियों व किये गये सुधारात्मक प्रयासों के बारे में अवगत कराया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय द्वारा प्राप्त फीडबैक एवं चिकित्सा इकाईयों में इंगित कमियों के सापेक्ष शीघ्र कार्यवाही कर उन कमियों को दूर किये जाने हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने तथा उसकी आख्या उपलब्ध कराए जाने हेतु आश्वासन दिया गया।

.....

(अमित अवस्थी)
प्रोग्राम असिस्टेंट

(डा0 राज कुमार वर्मा)
ए0ई0एफ0आई कन्सल्टेंट

सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण की झलक– जनपद जालौन

हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, ग्राम डकोर

हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर ग्राम धन्तौली

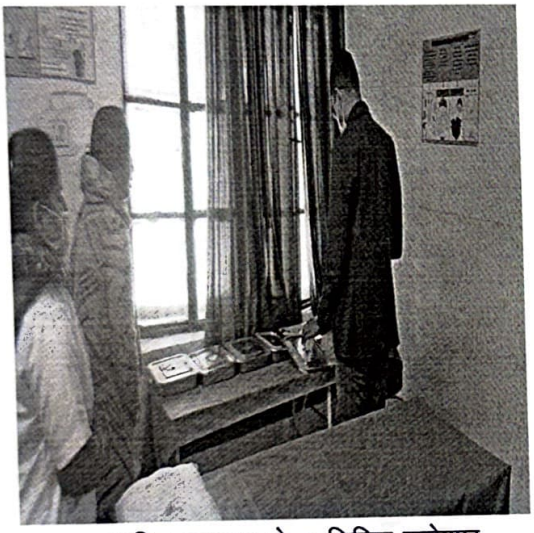

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, छिरिया सलेमपुर

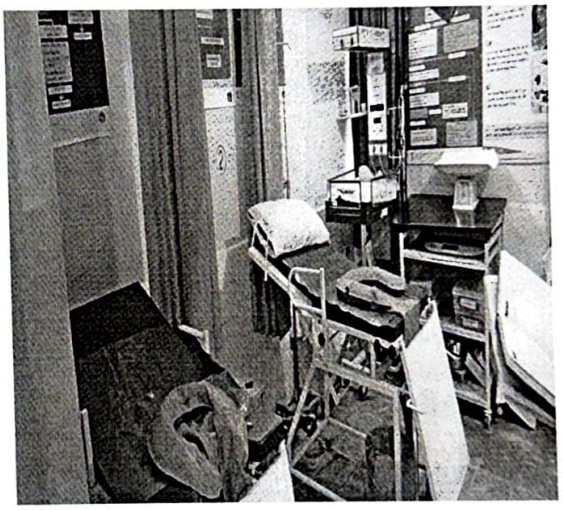

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कुठौन्द

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, तुफैल पुरवा

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिषन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी,
जनपद जालौन।

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2022–23/ दिनांकः09.02.2023

विषयः– राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 17–20 जनवरी 2023 के मध्य किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया एस0पी0एम0यू0 कार्यालय पत्र सं0 SPMU/NHM/M&E/2022-23/04/6716, दिनांक 13-12-2022 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके क्रम में, राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक **17–20 जनवरी 2023** तक जनपद **जालौन** की ब्लाक स्तरीय चिकित्सा इकाईयों, हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, ग्राम स्वा0 एवं पोषण दिवस तथा नगरीय प्राथमिक चिकित्सालय का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया।

राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद की चिकित्सा इकाईयों का स्थलीय पर्यवक्षण के दौरान प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी है जो कि पत्र के साथ संलग्न कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

आपसे अनुरोध है कि सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नकः पर्यवेक्षण आख्या।

भवदीया

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2022–23/8470-5 तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित–

1. जिलाधिकारी/अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद जालौन।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चि0स्वा0 एवं प0क0, झांसी मण्डल।
3. अधिशासी अभियन्ता, समस्त महाप्रबन्धक/अनुभागाध्यक्ष, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उ0प्र0।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, झांसी मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, जालौन को पर्यवेक्षण रिपोर्ट के सापेक्ष आवश्यक कार्यवाही एवं आख्या हेतु प्रेषित।

(डा0 ए0के0 अग्रवाल)
उप महाप्रबन्धक
आर.के.एस.के./जनपदीय
नोडल अधिकारी